


---

# Sanskritam Namamyaham

——  
संस्कृतं नमाम्यहम्

——  
Document Information



---

Text title : Samskritam Namamyaham

File name : saMskRRitaMnamAmyaham.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : vijayan vi. paTTAmbI

Acknowledge-Permission: Vijayan V. Pattambi

Latest update : August 11, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 12, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Sanskritam Namamyaham

---

### संस्कृतं नमाम्यहम्

---



संस्कृतं पठाम्यहं संस्कृतं वदाम्यहम् ।  
संस्कृतप्रचारणे तत्परो भवाम्यहम् ॥ १ ॥

सर्वलोकविश्रुतं संस्कृतं भजाम्यहम् ।  
सज्जनैश्च सेवितं संस्कृतं नमाम्यहम् ॥ २ ॥

काव्यपुष्टकोमलं शास्त्रतत्त्व सेवितम्  
पावनेषु पावनं संस्कृतं भजाम्यहम् ॥ ३ ॥

सर्वलोकविश्रुतं संस्कृतं प्रपाठय  
सर्वमङ्गलाय मे संस्कृतं समर्थकम् ॥ ४ ॥

प्राणवायुसम्मितं संस्कृताय सेव नम् ।  
सर्वलोकरक्षाणं संस्कृतप्रतं भङ्त् ॥ ५ ॥

संस्कृताय सेवनं सत्त्वगुणवर्धकम्  
नित्यसौख्यहेतुकं जिवनाय साधकम् ॥ ६ ॥

सर्वपुण्यसागरं सर्वकर्मबोधकम्  
सर्वथा हितं परं तं भजे सनातनम् ॥ ७ ॥

संस्कृते रतिर्मम भक्तिरस्त्य यञ्चला  
सिद्धिरस्तु मे सदा भारति! गुणात्मिके! ॥ ८ ॥

संस्कृतेन भाषणे संस्कृतस्य रक्षाणे  
संस्कृताय चार्पाणे सेवको भवाम्यहम् ॥ ९ ॥

संस्कृतं प्रसारय संस्कृतं प्रसाधय  
संस्कृतस्य संस्कृतिं सर्वदा नुशीलय ॥ १० ॥

— विजयन् वि. पट्टाभ्मी

*Sanskritam Namamyaham*

pdf was typeset on August 12, 2024

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

